गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे
तुम बिन रह्यो न जाये
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

बंके चिते मुसकाये के
सुंदर वदन दिखाय
लोचन तड़फे मीन जो
जग भर धरी बिहाय
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

सप्तक स्वर बंधान सों लाल
मोहन वेणु बजाय
सुरत सुहाइ बांधिके
मधुरे मधुर स्वर गाय

गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

रसिक रसीली बोलनी
गिरि चढि गाय बुलाय
गाय बुलाई दूधरी नेंक
ऊँची टेर सुनाय
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

दृष्टि पड़े जा दोष ते
तब ते रुचे ना आवे
रजनी नींद न आवरी
एहि विसरे भोजन पान
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

दर्शन को नैना तपे
बचन सुनन करे कान

मिलिवे को हीयरा तपे
जिय के जीवन प्राण हों
हिय की जीवन प्राण
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

मन अभिलाषा यह रहे
लगे न नैन निमेष
एक टक देखूं आवतो
नटवर नागर भेष
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

पूर्ण शशि मुख देख के
चित चोट्यो बहि ओर
रूप सुधा रसपान को
जैसे चंद्र चकोर
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

लोक लाज विधि वेद के
छँड़े सबई विवेक
कमल कली रवि ज्यों बढे
छिन छिन प्रीति विशेष
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

मन मथ कोटिक वरिने
देखी डगमगी चाल
युवती जन मन फंदना
अंबुज नयन विशाल
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

यह रट लागी लाडिले
जैसे चातक मोर
प्रेम नीर वर्षा करो
नवघन नंदकिशोर
गोवर्धन वासी सांवरे

गोवर्धन वासी सांवरे

कुंज भवन क्रीडा करे
सुखनिधि मदन गोपाल
हम वृंदावन मालती
तुम भोगी भ्रमर भूपाल
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे

युग युग अविचल राखिये
यह सुख शैल निवास
श्री गोवर्धनधर रूप पें
बलजाय चतुर्भुज दास
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे
तुम बिन रह्यो न जाये
गोवर्धन वासी सांवरे
गोवर्धन वासी सांवरे